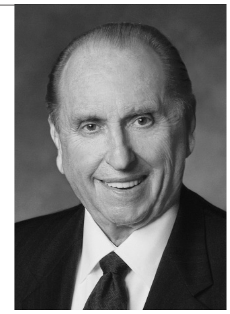

अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन द्वारा

शीघ्रता से काम करना

क्या आप को अहसास है की पुनःस्थापित गिरजा 98 वर्ष पुराना था जब 100 स्टैक हुये ? परंतु कुछ 30 वर्षों बाद, गिरजे के दूसरे 100 स्टैक को संगठित किया गया। और सिर्फ आठ वर्षों बाद ही गिरजे के 300 से अधिक स्टैक थे। आज हमारे 3,000 से अधिक सशकत स्टैक्स हें।

क्यों ऐसा विकास इस शीघ्रता से हो रहा है ? क्या यह इसलिये है क्योंकि हम अच्छे जानं जानते हैं ? क्या यह इसलिये है क्योंकि हमारे पास सुंदर गिर'जज'ा हैं ?

यह वस्तुऐं आवश्यक हैं, परंतु जिस कारण से गिर'जज'ा आज बढ़ रहा ऐसा प्रभु ने सूचित किया था की ऐसा होगा। सिद्धान्त और अनुबंध में, उसने कहा, देख, मैं शीघ्रता से अपने कार्य को उसके समय में बढावा दूंगा।[1]

हम, जो आत्मिक बच्चे अपने स्वर्गीय पिता के हैं, इस धरती पर भेजे गये इस समय में ताकि हम शीघ्रता से इस महान कार्य में भाग ले सकें।

प्रभु ने कभी नहीं, मेरे ज्ञान के अनुसार, सूचित किया की उसका कार्य धरती तक सीमित है। किन्तु, उसका कार्य अनंतकाल को सम्मिलत करता है। मैं विश्वास करता हूं कि वह शीघ्रता से अपना कार्य आत्माओं की दुनिया में कर रहे हैं। और मैं विश्वास करता हूं कि प्रभु,अपने सेवकों द्वारा वहां पर,बहुत सी आत्माओं को तैयार कर रहे हैं सुसमाचार को गृहण करने के लिए। हमारा काम है मृतक को ढूंढें फिर मंदिर जायें और पवित्र धर्मविधियों को पूर्ण करें जोकि उन्हें लायें जो इस परदे के परे है ताकि उन्हें वही अवसर मिले जो हमें मिला।

हर एक अच्छा अंतिम-दिनों का संत आत्मिक संसार में व्यस्त है, अध्यक्ष ब्रिघम यंग (1801–77) ''वे वहा पर क्या कर रहे हैं ? वे प्रचार कर रहे हैं, हर समय प्रचार कर रहें हैं, और हमारे लिये मार्ग तैयार कर रहे हैं ताकि शीघ्रता से हम अपने कार्य से मंदिरों का निर्माण यहां और दूसरे स्थान पर करें।''[2]

अब, पारिवारिक इतिहास का कार्य आसान नहीं. जो आप में से स्कैडिनेविया से हैं, मैं आपकी कुंठा को बांटना चाहूंगा। उदाहरण के लिए, मेरी स्वीडन संबंधी नस्ल पर, मेरे दादा का नाम नेल्स मॉनसन था, उनके पिता का नाम मॉनसन बिलकुल नहीं था पर मॉनस ओक्सन था। मॉनस के पिता का नाम ओक पैडरसन था, और उनके पिता का नाम पीटर मॉनसन था — फिर से मॉनसन पर आयें।

प्रभु उम्मीद करता है कि आप और मैं अपने पारिवारिक इतिहास के कार्य को अच्छे से पूरा करें। मेरे विचार से जो पहला काम हमें करना है अपना कार्य अच्छे से पूरा करने के लिये वह है स्वर्गीय पिता की आत्मा का हमारे साथ होना। जब हम धार्मिकता से रहते हैं जिस तरह की हम जानते हैं रहना, वह मार्ग खोलेगा उन आशीषों की पूर्ति के लिये जो हम ईमानदारी और लगन से खोजते हैं।

हमसे गलतियां होंगी, परंतु हम में से कोई भी पारिवारिक इतिहास कार्य का एक विशेषज्ञ नहीं बन सकता बिना पहले एक नौसिखिया बनें। इसलिए, हमें इस कार्य में जुट जाना चाहिए, और हमें अपने आप को तैयार करना चाहिए कुछ कठिन चढ़ाई के लिये। यह आसान काम नहीं हैं, परंतु प्रभु ने इसे आपके ऊपर रखा है, और मेरे ऊपर रखा है।

जैसे ही आप पारिवारिक इतिहास कार्य का अनुसरण करेंगे, आप अपने आप को लगातार बाधाओं में पाओगे, और आप अपने आप से कहोगे, ''मैं इससे अधिक नहीं कर सकता।'' जब आप इस तथ्य पर आ जायें, अपने घुटनों पर उतरें और प्रभु से मांगे कि वह मार्ग खोल दे, और वह आपके लिए मार्ग खोल देगा। मैं गवाही देता हूं कि यह सच हैं।

स्वर्गीय पिता प्रेम करता है अपने बच्चों से जो कि आत्मिक संसार में हैं उतना ही जितना वह आपसे या मुझसे करते हैं। हमारे मृतकों को बचाने के कार्य के संबंध में, भविष्यवक्ता जोसफ स्मिथ ने कहा था, ''और अब जैसे कि परमेश्वर के महान उदेश्यों को से परिपूर्ण किया जा

रहा हैं, और उन बातों का पूर्ण होना जो कि भविष्यवक्ताओं द्वारा बोली गई, जैसे कि परमेश्वर के राज्य को इस धरती पर स्थापित किया गया है, और प्राचीन क्रम की वस्तुओं का पुनःस्थापित होना, प्रभु ने स्पष्ट रूप से यह कर्तव्य और विशेषाधिकार हमें दिया है ।''[3]

हमारे पूर्वज जो बिना सुसमाचार के ज्ञान के चले गये उनसे संबंधित, अध्यक्ष जोसफ एफ स्मिथ (1838–1918), ने घोषित किया था कि, ''हमारे माध्यम से उनकी ओर से हमारे प्रयासों द्वारा उनकी बधंन की जंजीरें उनसे गिरा दी जायेगी, और जिस अंधेरे ने उन्हें घेरा है वो मिट जायेगा, और प्रकाश संभवत उन पर प्रकाशित किया जायेगा और आत्मिक संसार में उन्हें सुनाई देगा जो कार्य उनके लिये उनके बच्चों दारा यहां किया गया है, और वह आपके साथ आपके कार्य-संपादन पर आनन्द मनायेंग ।''[4]

वहां पर लाखों पर लाखों आत्मिक बच्चे हमारे स्वर्गीय पिता के है जिन्होंनें कभी मसीह का नाम अपनी मृत्यु से पहले नहीं सुना और ना जाते ही आत्मिक संसार में ।लेकिन अब उन्हें सुसमाचार सिखाया गया है और वह प्रतीक्षा कर रहे हैं जब आप और मैं उनकी आवश्यक खोज कर उनका मार्ग साफ करेंगें ताकि हम प्रभु के घर में जायें और उनके इस कार्य को करें जो वह स्वयं नहीं कर सकते ।

मेरे भाइयों और बहनों, मैं साक्षी देता हूं कि प्रभु हमें आशीषित करेंगें जब हम उनकी इस चुनौती को स्वीकार कर प्रतिकिया दिखायेंगे ।

इस संदेश से शिक्षा

विचार करें पारिवारिक इतिहास में अपनी सबसे प्रिय कहानी पर और इस कहानी को उन से बांटें जिनसे आप भेंट करने जायें । आप उन प्रश्नों का उपयोग कर सकते हैं जो बच्चों के भाग प्रथम अध्यक्षता संदेश (पृष्ठ 6) में हैं उनको प्रोत्साहित करने के लिये जिनसे आप भेंट करें उनकी कहानियों को बांटने के लिये । विचार कर पढ़ें सिद्धान्त और अनुबंध 128:15 और चर्चा करें मन्दिर की धर्मविधियों का महत्व अपने पूर्वजों की ओर ।

विवरण

1. सिद्धान्त और अनुबंध 88:73 ।
2. *Teachings of Presidents of the Church* ब्रिघम यांग (1997), 280.।
3. *Teachings of Presidents of the Church* जोसफ स्मिथ (2007), 409. ।
4. *Teachings of Presidents of the Church* जोसफ एफ स्मिथ (1998), 247. ।

युवा

क्या मैं सूचीकरण बनाना पसंद कर सकती थी ?

एम्मा अबरिल टीलेडो सिसनेरोस द्वारा

मैंने अपने स्टेक के लक्ष्य में हिस्सा लिया जिसमें हमें 50,000 नामों की सूची बनानी थी । पहले यह मुश्किल था । बहुत से अवसरों पर मैंने जो समूह डाउनलोड किया उसकी लिखाई कठिन थी,और कभी कभी मैं उसे वापस कर एक दूसरे को डाउनलोड करना चाहती थी । परन्तु फिर मैंने स्पष्टरूप से समझा यदि सब ऐसा ही सोचे तो, वो समूह अंत तक रह जाएंगे । मैं कल्पना कर सकती थी बहुत से लोगों की कतारों का जो आत्मिक संसार में प्रतीक्षा कर रही हैं, और मैंने निश्चय किया कि मैं निरंतर कोशिश करूंगी उन नामों को पढने की और बिना किसी गलती के अनुवाद करने की ।

मैंने उन लोगों के प्रति प्रेम सीखा है । मैंने समझा है कि उन्हें सच्च में हमारी मदद की आवश्यकता है, और हमें भी उनकी मदद की आवश्यकता है । मुझे बेहतर समझ में आया कि स्वर्गीय पिता की उत्तम योजना हर एक का ध्यान रखती है । जब हम उसके द्वारा चुने हुए मार्गदर्शकों की प्रेरणा और निर्देशों का पालन करते हें, हम उसके अनुग्रह और अनन्त प्रेम के गवाह बनेंगे ।

सूचीकरण मेरे लिये एक आनंदायक अनुभव रहा है । मैंने पारिवारिक इतिहास की अनेक वस्तुओं का मूल्य और उनसे प्रेम करना सीखा है । और मैंने प्रभु की ओर से बड़े मूल्यवान उपहार प्राप्त किये हैं उसकी आज्ञापालन कर सरल रूप में कुछ ऐसे जैसे की सूचीकरण में भाग लेकर ।

लेखिका वेराकूज, मेक्सिको में रहती है ।

बच्चे

अपनी कहानियों को जाने

आपके माता-पिता और दादा-दादी के बहुत से साहसी अनुभव रहे होगें — कुछ का आपको पता ही नहीं उनकी कुछ कहानियां आपको हसाऐंगी, और आपकी मदद करेगी स्वर्गीय पिता में विश्वास करने में । लेकिन कभी कभी बालिग भी संकोच करते हैं । इन प्रश्नों के उपयोग से उनकी मदद करें उन्हें याद दिलायें उनकी कुछ पसंदीदा कहानियां और लिखें या उनके उत्तरों के चित्र बनायें ।

1. मुझे अपने तीन सबसे आनंन्दित पलों के विषय में बतायें ।
2. क्या था आपका सबसे लज्जाजनक क्षण ?
3. मुझे मेरे जन्म वाले दिन के बारे मं बतायें ।
4. आपको क्या करना पसंद था जब आप बच्चे थे ?
5. आपको सुसमाचार की गवाही कैसे प्राप्त हुई ?

© 2014 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/14 । अनुवाद अनुमतिः 6/14 । *First Presidency Message, June 2014* का अनुवाद । Hindi । 10866 294

यीशु मसीह का दिव्य मिशनः सेवा करना

प्रार्थनापूर्वक इस सामाग्री को पढ़ें और क्या बांटना है को जानने के लिये खोजें । उद्धारकर्ता का जीवन और सेवाकाई की समझ कैसे आपके विश्वास को बढ़ाता और उन्हें आशीष देता है जिनका आप भेंट करने वाला शिक्षका के द्वारा ध्यान रखते हैं ? अधिक जानकारी के लिए lds.org *पर जाएं*

विश्वास, परिवार, सहायता

भेंट करने वाला शिक्षा संदेश का यह उद्धारकर्ता के सेवकाई के पहलुओं का वर्णन करने की श्रंखला का एक भाग है ।

जब हम दूसरों की सेवा करतें हैं, हम यीशु मसीह के सच्चे अनुयायी बनते हैं, जो हमारे लिये उदाहरण स्थापित करते हैं । अध्यक्ष थॉमस एस. मॉनसन ने कहा था, ''हम उनसे घिरे हैं जिन्हें आवश्यकता है....हम प्रभु के हाथ हैं इस पृथ्वी पर, उसके आदेश से उनके बच्चों की सेवा और उन्हें उठाने के लिये ।[1]

लिन्डा के. बर्टन, सहायता संस्था की जनरल अध्यक्षा, ने सिखायाः अभ्यास से, हम में से हर एक उद्धारकर्ता जैसा बन सकता है जब की हम परमेश्वर के बच्चों की सेवा करें । एक दूसरे को अच्छा (सेवा तक) करने में मदद, मैं चार शब्दों को याद रखने का सुझाव देना चाहती हूं'पहले अनुसरण करें, बाद में सेवा'.....जब हम ऐसा करते हैं, हम अनुबंधों को रखते हैं, और हमारी सेवा, जैसे अध्यक्ष मॉनसन, इससे होता है प्रमाण हमारी शिष्यता का ।''[2]

हम हर सुबह प्रार्थना कर सकते हैं उन अवसरों को पहचानने की जिस से हम दूसरों की सेवा कर सकें । स्वर्गीय पिता आपका मार्गदर्शन करेंग, और स्वर्गदूत आपकी सहायता करेंगें, कहां डेविड एल बैक ने, युवक महा अध्यक्ष ने । आपको शक्ति दी जायेंगी जीवनों और आत्माओं को बचा कर उन्हें आशीष देने की ।[3]

धर्मशास्त्रों से

मत्ती 20:25–28; 1 नफी 11:27–28; 3 नफी 28:18

हमारे इतिहास से

अक्टूबर 1856 के महा सम्मेलन में, अध्यक्ष ब्रिघम यंग (1801- 77) ने घोषणा की हाथगाड़ी पथप्रदर्शक अभी भी मैदानों को पार कर रहे हैं और सब उनकी मदद के लिये तुरंत सामान इकटठा करें । लूसी मीसर्व स्मिथ ने लिखा की महिलाओं ने अपने पेटीकोट(बडे नीचे पहने वाले स्कर्ट) उतारे, मोजे, और वह सबकुछ जो दे सकते थे, वही टेबरनैकल में दिया, और इकटठा कर चौपहिया गाड़ी में डाला ।

जैसे ही बचायें हुये पथप्रदर्शक सॉल्ट लेक सिटी में पहुंचने लगे, लूसी ने लिखा, मैंने कभी भी किसी और कार्य में इतना अधिक आनंद अपने जीवन में प्रस्तुत नहीं किया था, ऐसी एकमतता की भावना प्रचलित हुई । मुझे बस दुकान में जाना होता था और अपनी आवश्यकता को बताना होता था अगर वो कपड़ा होता, उसका नाप बिना किसी खर्च के लिया जाता ।[4]

अध्यक्ष जार्ज एल्बर्ट स्मिथ (1870-1951) ने दूसरों की सेवा के लिये कहा था, ''हमारी अनन्त खुशी उस मार्ग से संतुलित रहेगी जिसमें हम अपने आपको दूसरों की मदद के लिये समर्पित करेंगे ।''[5]

विचार करें

1. कैसे प्रार्थना हमारा नेतृत्व करती हैं प्रभु के हाथों का यंत्र बनने में ?

2. कैसे दूसरों की सेवा हमें अपने अनुबंध रखने में मदद करती हैं ?

विवरण

1. थॉमस एस. मॉनसन,''मैंने आज किसी के लिये क्या किया ?'' *लियाहोना*, नवं. 2009, 85 ।
2. लिन्डा के. बर्टन,''First Observe, Then Serve,'' *लियाहोना*, नव..2012, 78, 80. ।
3. डेविड एल. बैक, "Your Sacred Duty to Minister," *लियाहोना*, मई 2013, 56. ।
4. लूसी मीसर्व स्मिथ, in *Daughters in My Kingdom: The History and Work of Relief Society* (2011), 36–37. ।
5. जार्ज एल्बर्ट स्मिथ, in *Daughters in My Kingdom,* 77. ।

© 2014 Intellectual Reserve, Inc. द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित । भारत में छपी । अंग्रेजी अनुमतिः 6/14 । अनुवाद अनुमतिः 6/14 ।
Visiting Teaching Message, June 2014 का अनुवाद । Hindi । 10866 294